पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रेखा की 'क्लियोपेट्रा' फोटो पर प्रियंका चोपड़ा का प्यार

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 129 ■ सोमवार, 4 अगस्त 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

माई अर्बन नागरी कोऑपरेटिव क्रेडिट यूनियन ने

निवेशकों से की 1 करोड़ की धोखाधड़ी

■ **9 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज**

उल्हासनगर. कैंप क्रमांक 4 इलाके में स्थित माई अर्बन नागरी कोऑपरेटिव क्रेडिट यूनियन के अध्यक्ष और निदेशक के खिलाफ विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में 4 निवेशकों से 1 करोड़ 5 लाख 95 हजार रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आशंका जताई है कि धोखाधड़ी के शिकार निवेशकों की संख्या बढ़ सकती है और पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

माई अर्बन नागरी कोऑपरेटिव क्रेडिट यूनियन उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4 के पेंसिल फैक्ट्री इलाके में स्थित है। क्रेडिट यूनियन के अध्यक्ष और निदेशक ने गोपाल रामचंद्र राख्यानी को आकर्षक रिटर्न का वादा करके पैसा निवेश करने के लिए कहा था। गोपाल राख्यानी ने 8 अक्टूबर 2018 से अब तक 73 लाख 31 हजार 459 रुपये का निवेश किया है। साथ ही, तीन अन्य शिकायतकर्ताओं ने 32 लाख 64 हजार रुपये, यानी कुल 1 करोड़ 5 लाख 95 हज़ार 459 रुपये का निवेश किया है। जब उन्होंने ब्याज और राशि वापस मांगी, तो उन्होंने राशि वापस नहीं की। साथ ही, पुलिस में शिकायत करने पर बचत बैंक के अध्यक्ष और निदेशक ने आत्महत्या करने की धमकी दी। अंततः गोपाल राख्यानी ने विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

धोखाधड़ी की रकम बढ़ने की संभावना

राख्यानी और तीन अन्य की शिकायत के आधार पर, विट्ठलवाड़ी पुलिस ने बचत बैंक के अध्यक्ष प्रवीण प्रकाश दरयानी, अशोक हरचंदानी, नियति प्रवीण दरयानी, प्रकाश दरयानी, नयना प्रकाश दरयानी, मेहमोश के. छायेला, हरिराम एफ. खेतवानी, पुरेश वी. गंडाने और भास्कर डी. लांगे सहित नौ लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली ने बताया कि इससे ज़्यादा निवेशकों के साथ धोखाधड़ी हुई है और धोखाधड़ी की लागत बढ़ने की संभावना है। पुलिस आगे की जाँच कर रही है।

तीन चरणों में होंगे मनपा चुनाव!

उल्हासनगर. महाराष्ट्र में पिछले तीन सालों से टल रहे स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर एक अहम जानकारी सामने आई है। सूत्रों ने बताया है कि ये चुनाव तीन चरणों में होंगे। साथ ही, इन चुनावों में वार्ड संरचना और अन्य उद्देश्यों के लिए 2011 की जनसंख्या को ही आधार माना जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, तीन चरणों में होने वाले इन चुनावों का पहला चरण जिला परिषदों के लिए होगा। पहले चरण में जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनाव होंगे। जबकि दूसरे चरण में नगर पालिकाओं और नगर परिषदों के चुनाव होंगे। बताया गया है कि तीसरे और अंतिम चरण में मुंबई समेत अन्य सभी महानगर पालिकाओं के चुनाव होंगे।

■ **अदालत ने क्या फैसला सुनाया?**

इस साल 6 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अगले चार महीनों में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का आदेश दिया था। हालाँकि, मानसून और त्योहारों के कारण, राज्य चुनाव आयोग कथित तौर पर सुप्रीम कोर्ट को जानकारी सौंपने वाला है कि चुनाव दिवाली के बाद होंगे।

कब तक होंगे चुनाव?

चुनाव आयोग दिसंबर 2025 के अंत तक स्थानीय निकाय चुनावों की सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने की कोशिश कर रहा है। अगर ऐसा होता है, तो कहा जा रहा है कि दिवाली के बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी और राज्य में चुनावी रणसंग्राम शुरू हो जाएगा.

■ **सितंबर में अंतिम वार्ड संरचना होगी जारी**

राज्य सरकार ने मुंबई, ठाणे और पुणे नगर निगमों की अंतिम वार्ड संरचना 4 सितंबर तक, जबकि 19 नगर निगमों और 250 से अधिक नगर पालिकाओं की अंतिम वार्ड संरचना 1 सितंबर तक प्रकाशित करने का कार्यक्रम तैयार किया है। सभी नगर आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को इस समय सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाएँ पूरी करने को कहा गया है। राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए वार्ड संरचना कार्यक्रम की घोषणा शहरी विकास विभाग द्वारा की गई है। मुंबई, ठाणे, नासिक, पुणे, कोल्हापुर, इचलकरंजी सहित 29 नगर निगमों के साथ-साथ नगर परिषदों और पंचायत समितियों की वार्ड संरचना का मसौदा तैयार करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम की घोषणा की गई है। नगर आयुक्तों, जिला कलेक्टरों और नगर पालिका परिषदों व नगर पंचायतों के मुख्य अधिकारियों को 22 अगस्त से 4 सितंबर के बीच अधिसूचना जारी कर अंतिम वार्ड संरचना प्रकाशित करने के आदेश दिए गए हैं।

■ **केवल 2011 की जनसंख्या पर ही विचार**

2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या उपलब्ध है और उसी के अनुसार आरक्षण तय किया जाएगा। जनशक्ति और मतदाता सूचियों के लिए अभी अनुमति नहीं मिली है। वार्ड, वार्ड, समूह गठन की प्रक्रिया चल रही है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष चालीहा साहिब मंदिर दर्शन करने पहुंचे

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 स्थित पूज्य चालीहा साहिब झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज के पावन पर्व चालीहा साहिब व्रत महोत्सव की धूम मची हुई है। ऐसे में भगवान साई झूलेलाल का आर्शिवाद लेने भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण कल वहां दर्शन करने पहुंचे जहां उनके साथ भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश वधरिया, महेश सुखरामानी, प्रकाश माखीजा, अजित सिंह लबाना सहित अंबरनाथ, कल्याण, बदलापुर और उल्हासनगर के भाजपा कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित हुए।

उमनपा में सूचना के अधिकार का उल्लंघन!

■ **आयोग ने उल्हासनगर मनपा को लगाई फटकार**

■ **आयुक्त ने दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी**

उल्हासनगर. सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत उल्हासनगर मनपा द्वारा लगातार बरती जा रही ढिलाई पर कोंकण पीठ ने कड़ी नाराजगी जताई है। राज्य सूचना आयोग ने नागरिकों को समय पर और सही जानकारी न मिलने, सुनवाई की अनदेखी करने और जिम्मेदारी का भाव खोने जैसी गंभीर कमियों पर सीधा ध्यान केंद्रित किया है और अब दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के संकेत दिए हैं। इसके बाद, आयुक्त मनीषा आव्हाले ने एक सख्त परिपत्र जारी कर सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी से काम करने का आदेश दिया है।

कोंकण पीठ के राज्य सूचना आयोग ने लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के क्रियान्वयन में पाई गई गंभीर कमियों पर सीधी नाराजगी जताई है और प्रशासन को फटकार लगाई है। आयोग ने यह नाराजगी 23 जुलाई, 2025 को भेजे एक पत्र में व्यक्त की, जिसमें महानगर पालिका में पूरी व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। राज्य आयोग ने कहा है कि ये त्रुटियाँ नागरिकों के सूचना के मौलिक अधिकार का उल्लंघन हैं और सरकार के समय और धन की बर्बादी हैं।

इस पृष्ठभूमि में, आयुक्त मनीषा आव्हाले ने एक सख्त परिपत्र जारी कर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों में, जन सूचना अधिकारियों के लिए आवेदन प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर वस्तुनिष्ठ और पूरी जानकारी पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जानी चाहिए और यदि जानकारी अस्वीकार की जाती है, तो धारा 8 या 9 का उल्लेख करना और कारण बताना अनिवार्य है। प्रथम अपीलीय अधिकारी के लिए, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन करते हुए और दोनों पक्षों को सुनकर, प्राप्त अपील के 30 से 45 दिनों के भीतर निर्णय दिया जाना चाहिए। निर्णय को रिकॉर्ड किया जाना चाहिए और पंजीकृत डाक द्वारा भेजा जाना चाहिए। आयोग की सुनवाई में समय पर और पूरी तैयारी के साथ उपस्थित होना अनिवार्य है। अनुपस्थिति के लिए लिखित अनुमति आवश्यक है। आवेदन, उत्तर, पावती, अपीलीय निर्णय और सभी संबंधित दस्तावेज लाना अनिवार्य है, आयुक्त के आदेश में स्पष्ट किया गया है।

> "सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई, टालमटोल या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नागरिकों को सूचना प्रदान करना न केवल एक कानूनी ज़िम्मेदारी है, बल्कि प्रशासन का नैतिक और लोकतांत्रिक दायित्व भी है। राज्य सूचना आयोग द्वारा की गई टिप्पणी के बाद, हमने तुरंत सुधार की प्रक्रिया शुरू कर दी है और सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट आदेश दे दिए गए हैं।
>
> **-मनीषा आव्हाले**, आयुक्त, उल्हासनगर महानगरपालिका

पुलिस ने अपराधियों पर कसा शिकंजा

■ **गौतम वानखड़े के खिलाफ मोक्का और गणेश राणे के खिलाफ एमपीडीए के तहत कार्रवाई की**

उल्हासनगर. विट्ठलवाड़ी पुलिस द्वारा गिरफ्तार गौतम गणेश वानखड़े के खिलाफ मोक्का और गणेश राणे के खिलाफ एमपीडीए के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने इसकी जानकारी दी और अन्य अपराधियों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई के संकेत दिए, जिससे बदमाशों में हड़कंप मच गया है।

उल्हासनगर की विट्ठलवाड़ी पुलिस ने एक अपराध में गौतम वानखड़े, रोहन झुंबर वाघमारे और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। इनमें से गौतम वानखड़े एक आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी गौतम वानखड़े ने विभिन्न साथियों के साथ एक संगठित आपराधिक गिरोह बनाया और अपराध किए। उसके खिलाफ सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के लिए, उक्त अपराध में मोक्का

अधिनियम की धाराओं के तहत अनुमति के लिए पूर्वी क्षेत्रीय संभाग के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने मकोका के तहत धाराओं को शामिल करने की पूर्व अनुमति को मंजूरी दे दी। इसके बाद गौतम वानखड़े के खिलाफ मोक्का के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4, विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में संतोषनगर निवासी और ठाणे शहर के पुलिस आयुक्त द्वारा दर्ज गणेश सुरेश राणे के खिलाफ एमपीडीए के तहत कार्रवाई की। राणे एक साल से नासिक रोड सेंट्रल जेल में बंद था। पुलिस की मोक्का और एमपीडीए के तहत कार्रवाई से स्थानीय गुंडों के हौसले हिल गए हैं।

म्हाडा कालोनी पुनर्विकास को लेकर दो गुट आमने-सामने

कल्याण. कल्याण पश्चिम स्थित बिर्ला कॉलेज के पास कोकण वसाहत में म्हाडा (MHADA) पुनर्विकास प्रकल्प को लेकर विवाद गहरा गया है। एक ओर जहां भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार इस परियोजना के खिलाफ अनशन पर बैठ गए, वहीं दूसरी ओर विकासक के समर्थक रहिवासियों ने उनके विरोध में मोर्चा निकाला है। पूर्व विधायक नरेंद्र पवार का आरोप है कि विकासक ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निर्माण कार्य जारी रखा है, और बीते 14 वर्षों से घर का इंतजार कर रहे शांतीदूत इमारत के निवासियों को न तो मकान मिला है और न ही किराया।

कल्याण-बदलापुर रोड बना कूड़ादान

■ **फैल रही मांस विक्रेताओं और सड़ी सब्जियों की बदबू**

■ **सांस लेना भी हो रहा मुश्किल**

अंबरनाथ. कल्याण-बदलापुर रोड कचराघर बन गया है और हर जगह कचरा फेंका जा रहा है। बड़ी संख्या में सब्जी और मांस विक्रेता खराब और सड़ी हुई सब्जियों के साथ-साथ मछली भी सड़कों पर फेंक रहे हैं। इससे राजमार्ग पर दुर्गंध फैल रही है। परिणामस्वरूप सड़क से गुजरने वाले नागरिकों और वाहन चालकों की सांसें घुट रही हैं।

कल्याण-बदलापुर रोड पर चिखलोली क्षेत्र में कई सोसायटी बनाई गईं। इसलिए इस क्षेत्र में कई लोगों ने अपना व्यवसाय शुरू कर दिया है, जिनमें छोटे-बड़े सब्जी विक्रेता, ठेले पर सब्जी, फल, फूल और मांस बेचने वाले शामिल हैं। हालांकि इससे आम लोगों को रोजगार मिलता है, लेकिन ये सब्जी विक्रेता हर शाम बची हुई खराब सब्जियां, मांस और अन्य कचरे को सड़क किनारे फेंक देते हैं। यह कचरा हर रात देर से सड़क किनारे फेंका जाता है। इसके अलावा लगातार हो रही बारिश के कारण इस स्थान पर कूड़ा सड़ रहा है, जिससे सड़क पर दुर्गंध फैल रही है। इससे इस क्षेत्र में सांस लेने में कठिनाई हो रही है और सचमुच दम घुट रहा है। सड़ते हुए कचरे पर मच्छर पनप रहे हैं। इससे बीमारी फैलने की भी संभावना है। सब्जी विक्रेता बची हुई सब्जियां, सड़ी या सूखी सब्जियां और अन्य कचरा सड़क किनारे फेंक देते हैं। इसके अलावा, कई महिलाएं सुबह के समय नदी की मछलियां बेचने के लिए राजमार्ग पर बैठती हैं। ये महिलाएं अपना कचरा भी यहीं फेंकती हैं। इसके कारण भारी मात्रा में दुर्गंध फैल रही है।

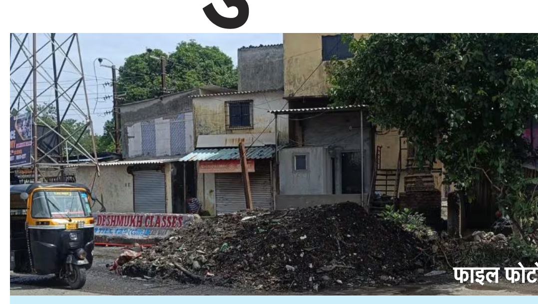

फाइल फोटो

कचरे का निपटान हो

यदि कचरे की बदबू के कारण श्वसन संबंधी बीमारियों सहित अन्य गंभीर बीमारियां होती हैं तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? इसके अलावा, कुत्ते और मवेशी फेंके गए कचरे को खा रहे हैं और उसे सीधे सड़क पर फेंक रहे हैं। इसलिए अक्सर सड़क पर कचरा फैला हुआ नजर आता है। इस बीच, नागरिक मांग कर रहे हैं कि सड़क पर कचरा न फेंका जाए तथा उसका उचित तरीके से निपटान किया जाए।

उल्हासनगर यातायात नियंत्रण के लिए विशेष हेल्पलाइन 8655654186 जारी

उल्हासनगर. शहर में बढ़ती यातायात समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए, उल्हासनगर यातायात विभाग ने नागरिकों के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर 8655654186 शुरू किया है। यातायात शाखा के पुलिसकर्मियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात संबंधी समस्याएँ, सुझाव या जानकारी फ़ोन कॉल या व्हाट्सएप के माध्यम से इस नंबर पर भेजें। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ ने कहा कि नागरिकों की भागीदारी से यातायात प्रबंधन को बेहतर बनाया जा सकता है। नागरिक शहर में अवैध पार्किंग, ट्रैफ़िक जाम और रिक्शा

चालकों की मनमानी जैसी समस्याओं की जानकारी इस हेल्पलाइन पर भेज सकते हैं, ताकि विभाग तुरंत कार्रवाई कर सके। इस पहल से नागरिकों और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित होगा और प्राप्त शिकायतों का रिकॉर्ड रखकर जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी।

6.85 लाख रुपए की 274ग्राम एमडी जब्त

मुंब्रा. मुंब्रा पुलिस ने नशे का कारोबार करने वाले सोनू मोहम्मद नसीम खान (21) को रेतीबंदर परिसर से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। तलाशी लेने पर उसके पास से 6 लाख 85 हजार रुपए कीमत की 274 ग्राम एमडी जप्त किया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिन्दे ने बताया कि सोनू मुंब्रा का रहने वाला है . पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि नशा बेचने के लिए एक युवक रेतीबंदर में आने वाला है। इसके आधार पर पुलिस टीम ने घेरेबंदी कर दी। संदिग्ध अवस्था में स्कूटी से जैसे आया, रोककर हिरासत में ले लिया गया। पंचों के समक्ष तलाशी ली गई तो 6 लाख 85 हजार की 274 ग्राम एमडी, 42 हजार नगद, एक मोबाईल और स्कूटर समेत कुल 7 लाख 67 हजार का माल बरामद कर लिया है।

सिग्नल अनुशासन का वाहन चालक नहीं करते पालन!

■ **अनियंत्रित वाहन चालकों के कारण चौराहों पर लग रहा है जाम**

■ **शहर के 14 व्यस्त चौराहों पर लगाए जा चुके हैं सिग्नल**

बदलापुर. अंबरनाथ शहर के बाद, बदलापुर नगरपालिका ने यातायात प्रबंधन के लिए बदलापुर शहर में भी सिग्नल प्रणाली स्थापित की है। हालाँकि, अनियंत्रित वाहन चालकों और अवैध पार्किंग के कारण चौराहों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। चूँकि सिग्नल अनुशासन का पालन नहीं किया जा रहा है, इसलिए सिग्नल को लेकर विवाद भी हो रहे हैं। इसलिए, यातायात पुलिस से वाहन चालकों को अनुशासित करने की पहल करने की माँग की जा रही है।

बदलापुर शहर में पिछले महीने एक सिग्नल प्रणाली स्थापित की गई थी। अब तक, शहर के 14 व्यस्त चौराहों पर सिग्नल लगाए जा चुके हैं। इसके लिए संकरे चौराहों को चौड़ा किया गया। कई चौराहों का चौड़ीकरण अभी भी जारी है। नपा प्रशासन का मानना है कि इससे जाम की समस्या हल होगी और यातायात में व्यवस्था आएगी। हालाँकि, बदलापुर में नई स्थापित सिग्नल प्रणाली वाहन चालकों को पच नहीं रही है। विभिन्न चौराहों पर, लाल बत्ती होने के बाद भी वाहन चालक तेज़ गति से वाहन चलाते देखे जा रहे हैं। इससे हरी बत्ती वाली लेन से आने वाले वाहनों में असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। इससे दुर्घटनाओं का डर बना हुआ है।

बदलापुर पश्चिम में कुछ सिग्नल स्थानों पर, चौराहे पर रिक्शा, दोपहिया वाहन और अन्य वाहन खड़े रहते हैं। इससे सिग्नल चालू होने के बाद भी वाहनों को मुड़ने में परेशानी होती है। परिणामस्वरूप, सिग्नल का समय समाप्त हो जाता है। वाहन चालकों को ऐसे चौराहों पर फँसना पड़ता है। इसलिए, अनियंत्रित पार्किंग और वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

वाहन चालकों के बीच झड़पें

कल्याण-बदलापुर मार्ग पर विभिन्न चौराहों पर अनियंत्रित वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने की बात सामने आई है। यहाँ तक कि जब वे दाएँ मुड़ने वाले होते हैं, तब भी सिग्नल का समय समाप्त होने से पहले बाईं ओर जाने की जल्दी में वे अक्सर गलत लेन में रुक जाते हैं। इससे पीछे से आने वाले और सिग्नल चालू होने पर बाएँ मुड़ने वाले वाहन चालकों को अनियंत्रित वाहन चालकों के पीछे फंसना पड़ता है। इस वजह से बदलापुर और अंबरनाथ, दोनों शहरों में वाहन चालकों के बीच झड़पें शुरू हो गई हैं।

अंबरनाथ में कांवड़ियों का जोरदार स्वागत

■ **3-4 अगस्त को रामचरित मानस पाठ**

अंबरनाथ. अंबरनाथ में आज फिर दूसरी बार बदलापुर श्रीक्षेत्र कोंडेश्वर से ऐतिहासिक शिवमंदिर अंबरनाथ तक कांवड़ यात्रा निकाली गई. दोपहर में शहर के मुख्य महामार्ग पर कांवड़ियों के स्वागत के लिए अनेक नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शामियाना लगाकर उनका स्वागत किया. रथयात्रा भी निकाली गई. शास्त्री हिंदी विद्यालय के पास शिवसैनिक विकास सोमेश्वर एवं राहुल सोमेश्वर ने अपने शामियाने में कांवड़ियों का स्वागत किया. उन पर फूल बरसाये गए. उनके लिए खान-पान की व्यवस्था बड़े पैमाने पर की गई थी. रथ यात्रा में सवार कांवड़ियों को ठंडा शरबत भी दिया गया. सोमेश्वर बंधु गत कई वर्षों से यहां पर शामियाना लगाकर कांवड़ियों का स्वागत करते हैं. श्रीराम चरितमानस प्रचार सेवा मंडल की ओर से चलो श्रीक्षेत्र कोंडेश्वर का नारा दिया गया था. कांवड़ियों ने कोंडेश्वर मंदिर के पास से जल एकत्रित किया और कांधे पर जल के केन उठाए व शहर पूर्व में शिवमंदिर तक गए और वहां पर जलाभिषेक किया. कोंडेश्वर में 3 एवं 4 अगस्त को संगीतमय अखंड रामचरित मानस पाठ एवं महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. - वाल्मीकि

विकास संपादकीय

ठेके पर सड़क सुरक्षा

देश में बेहतरीन सड़कें बनाने के दावे के बावजूद आज भी कई सड़कें इतनी असुरक्षित क्यों हैं कि उन पर हादसों की आशंका बनी रहती है। कई राज्यों में ऐसी सड़कें हैं, जिनका वर्षों से रखरखाव नहीं हुआ और उन पर सफर करना एक जोखिम से गुजरना है। यह दुखद है कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति के बावजूद भारत में सड़क हादसे कम नहीं हो रहे हैं। आज सड़कों पर पैदल चलने वालों तक के लिए जगह नहीं बची है।

दोपहिया चालक अक्सर जोखिम में रहते हैं। सड़क निर्माण में भारतीय कौशल से इनकार नहीं किया जा सकता, बावजूद इसके हमारी सड़कें दुनिया में सबसे खतरनाक हैं, तो इसकी वजह क्या है? सड़कों पर अगर जीवन संकट में पड़ने लगे, तो इसका मतलब है कि जीवन जीने का अधिकार सचमुच खतरे में है। इसी चिंता को चिह्नित करते हुए शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि वाहन चलाने योग्य सुरक्षित और अच्छे रखरखाव वाली सड़क संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन जीने के अधिकार का एक हिस्सा है। दरअसल, अधिकतर राज्यों में लोक निर्माण विभाग खुद सड़कें नहीं बनाता। प्रायः निविदाएं जारी कर ठेकेदारों को जिम्मा सौंप दिया जाता है। नतीजा यह कि सड़कें सुरक्षा मानदंडों पर खरी नहीं उतरतीं। मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम और निजी कंपनी के बीच विवाद की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की जरूरत है कि सड़क का जिम्मा निजी ठेकेदार पर छोड़ने के बजाय सरकार को यह काम सीधे अपने नियंत्रण में रखना चाहिए।

सड़कें जीवन के अधिकार का हिस्सा हैं, तो इसका गुणवत्तापूर्ण निर्माण और इसकी समुचित देखरेख निस्संदेह सरकार का दायित्व है। आज जिस तरह सड़कों पर वाहनों का बोझ बढ़ा है, इसे देखते हुए सड़कों की देखभाल की जरूरत स्वाभाविक रूप से बढ़ गई है। मानवीय भूल अपनी जगह हैं, लेकिन कई स्थानों पर यातायात संकेतक न होने और सड़कों पर दरारें पड़ने और धंसाव ने भी समस्या बढ़ाई है। सड़कों के निर्माण में अधिकतर त्रुटियां खराब अभियांत्रिकी के कारण ही सामने आई हैं। जरूरत इस बात की है कि नागरिकों के जीवन जीने के अधिकार को बिना किसी बाधा के सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर स्तर पर जिम्मेदारी तय करे।

अमेरिका से टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी का स्वदेशी पर जोर

अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की भावना पर जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था।

प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था, लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें। आज के इस युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं। यदि लोग स्वदेशी की भावना से प्रेरित होकर देश में बने उत्पाद खरीदना भी चाहें तो अनेक ऐसे उत्पाद पर्याप्त मात्रा में बनते ही नहीं, जिनकी मांग बढ़ती चली जा रही है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय बाजारों में चीनी वस्तुएं बढ़ती चली जा रही हैं।

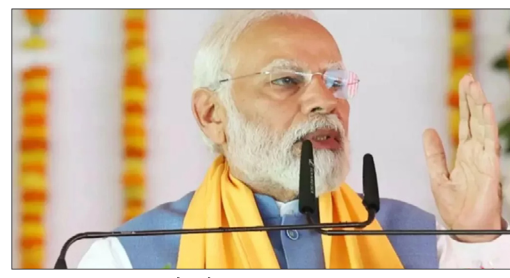

अब तो अनेक चीनी वस्तुओं की गुणवत्ता भी संतोषजनक होने लगी है और वे स्वदेशी भारतीय उत्पादों से कम मूल्य की भी होती हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी चीनी वस्तुओं का आयात करना अधिक पसंद करते हैं। चीन अभी भी दुनिया का कारखाना बना हुआ है। जैसे दुनिया के अन्य देश चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम नहीं कर पा रहे हैं, वैसे ही भारत भी इस मामले में सक्षम नहीं। ऐसा क्यों है, इस पर हमारे नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना होगा।

यह ठीक है कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी कई बार स्वदेशी उत्पाद खरीदने की जरूरत जता चुके हैं, लेकिन क्या हमारे नौकरशाह इसके लिए तत्पर हैं कि भारतीय कारोबारी इस आवश्यकता की पूर्ति करने में सहायक बन सकें। यह ठीक नहीं कि प्रधानमंत्री जिस बात पर बार-बार बल दें और लोगों को याद दिलाएं कि त्योहारों और शादी के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें, उस पर नौकरशाह अपने स्तर पर कुछ करते नजर न आएं। यह एक सच्चाई है कि कारोबारी सुगमता के तमाम दावों के बावजूद हमारी नौकरशाही लालफीताशाही से बाहर नहीं आ पा रही है। छोटे-बड़े व्यापारी इसकी शिकायत भी करते रहते हैं। यह सही है कि कारोबारियों को भी अपनी कमर कसनी होगी, लेकिन सरकार को तो यह सोचना ही होगा कि आखिर वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देश उत्पादकता एवं गुणवत्ता के मामले में भारत से आगे निकलते क्यों दिख रहे हैं?

अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की भावना पर जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था।

प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था, लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें। आज के इस युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं। यदि लोग स्वदेशी की भावना से प्रेरित होकर देश में बने उत्पाद खरीदना भी चाहें तो अनेक ऐसे उत्पाद पर्याप्त मात्रा में बनते ही नहीं, जिनकी मांग बढ़ती चली जा रही है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय बाजारों में चीनी वस्तुएं बढ़ती चली जा रही हैं।

हम चाहे इसे पहचानें या नहीं, लेकिन प्रभु ही वो धागा हैं जो हमारे जीवन की बुनाई में पिरोए हुए हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

अदालत के फैसले से फिर कई सवाल उठे

यह एक विचित्र विडंबना है कि आतंकवाद जैसे जटिल मसलों पर भी किसी खास घटना की जांच, उसकी समूची प्रक्रिया और उसके निष्कर्ष अदालत के कठघरे में ढह जाते हैं और वर्षों से जेल में बंद या फिर आतंकवाद के आरोपों में मुकदमा झेल रहे लोग बरी हो जाते हैं। यह स्वाभाविक प्रक्रिया है कि किसी मामले में कार्रवाई के क्रम में कुछ लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सबूतों के आधार पर अदालत में मुकदमा चलाया जाए। मगर समूचे मामले की सुनवाई के बाद अगर सभी आरोपी बरी कर दिए जाएं, आरोप साबित करने के लिए पेश सबूतों पर सवाल उठें, तो यह किस तरह की कार्यप्रणाली का सबूत है?

गौरतलब है कि पिछले सत्रह वर्षों से सुर्खियों में रहे मालेगांव बम विस्फोट के मामले में गुरुवार को मुंबई की विशेष एनआइए अदालत ने फैसला सुनाया और भाजपा की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सात लोगों को आरोपों से बरी कर दिया। सन 2008 में हुई उस घटना के संदर्भ में अदालत ने कहा कि केवल शक के आधार पर आरोप सिद्ध नहीं किए जा सकते।

अदालत के इस फैसले से एक बार फिर कई सवाल उठे हैं। आतंकवादी वारदात जैसे किसी सबसे संवेदनशील मामले की पड़ताल करते हुए कोई एजंसी इतनी लापरवाह कैसे हो सकती है कि

आरोप और आरोपियों को लेकर उसकी मुख्य स्थापनाएं खारिज कर दी जाएं। मालेगांव बम विस्फोट से जुड़े मुकदमे में विशेष अदालत के न्यायाधीश ने सभी अभियुक्तों को निर्दोष करार देते हुए कहा कि यह एक बेहद गंभीर मामला है, जिसमें आम नागरिक मारे गए, लेकिन अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने के लिए निर्णायक सबूत पेश नहीं कर पाया।

हैरानी की बात है कि एक ओर जिन सबूतों के आधार पर यह मुकदमा सत्रह वर्षों तक चलता रहा, वे इतने निराधार थे कि सभी आरोपियों को निर्दोष करार दिया गया, दूसरी ओर उन सबूतों के गलत साबित होने में इतने वर्ष लग गए! इसी तरह, मुंबई में सन 2006 में सिलसिलेवार विस्फोटों के उन्नीस वर्ष के बाद हाई कोर्ट ने सभी बारह आरोपियों को बरी कर दिया। उस मामले में भी अदालत ने यही कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में नाकाम रहा। मुंबई में ट्रेनों में सिलसिलेवार हुए बम विस्फोटों की घटना में तब एक सौ नवासी यात्रियों की जान चली गई थी और आठ सौ चौबीस लोग घायल हो गए थे।

सवाल है कि देश की शीर्ष जांच एजंसियों की कार्यप्रणाली और छानबीन का स्तर अगर यह है कि पकड़े गए आरोपियों को अदालत बरी कर देती है, तो आखिर उतनी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने वाले कौन थे और उन्हें नहीं पकड़ पाने के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। ऐसा कैसे संभव हो पाता है कि जो जांच एजंसियां आतंकवाद जैसे संवेदनशील मामलों में पूरी पड़ताल के बाद आरोपियों को कठघरे में खड़ा करती हैं, उनकी जांच अदालत में खामियों से भरी पाई जाती है, गवाहों के बयानों में विरोधाभास होते हैं, कई अपने बयान से मुकर जाते हैं और आखिर आरोपी बरी हो जाते हैं।

इसके अलावा, एक ही मामले की जांच करते हुए अगर राष्ट्रीय जांच एजंसी और आतंक निरोधक दस्ते के आरोपपत्र में विरोधाभास होते हैं, तो यह किस तरह की कार्यप्रणाली और तालमेल को दर्शाता है? यह अफसोसनाक है कि किसी आतंकवादी वारदात के मामले में वर्षों तक जांच और मुकदमा चलने के बावजूद आरोपी छूट जाते हैं, लेकिन इससे जुड़ी हकीकत यह भी है कि फिर उस घटना के वास्तविक दोषी कौन थे और उन्हें कानून के कठघरे में कौन लाएगा।

30 साल पुराने भ्रूण से पैदा हुआ बच्चा

बच्चा पैदा ना हो पाने से ज्यादा तकलीफ दायक शायद ही किसी कपल के लिए कुछ होगा. दुनिया में हजारों लाखों लोग ऐसे हैं जो

जरा हट के

किसी छोटी सी, लेकिन ना हल हो पाने वाली समस्या की वजह से मां या पिता बनने में असमर्थ हैं. बच्चा हासिल करने की कई तरह की तकनीकें आज उपलब्ध हो चुकी हैं. इनमें से एक भ्रूण गोद लेना है. अमेरिका के ओहियो के एक दम्पत्ति को 30 पुराने बने भ्रूण से पैदा हुआ बच्चा मिला है. इस लिहाज से आज यह दुनिया का सबसे बड़ा शिशु है. लोग इसे एक चमत्कार की तरह मान कर चर्चा कर रहे हैं.

एक 30 साल की बहन भी है

थैडियस डैनियल पियर्स का जन्म 26 जुलाई को हुआ. यह दुनिया का सबसे पुराना बच्चा है क्योंकियह 30 साल पुराने भ्रूण से विकसित हुआ है.

थैडियस के माता-पिता लिंडसे और टिम पियर्स हैं. लिंडसे 35 साल की हैं जबकि टिम 34 साल के हैं. दिलचस्प बात ये है कि थैडियस की एक 30 साल की बहन है. वह भी मां है. उसकी बेटी 10 साल की है.

किसी छोटे से बच्चे को पैदा होने के 28 दिन तक ही नवजात कहा जाता है. इसके बाद वह एक साल की उम्र तक उसे शिशु कहा जाता है. फिर तीन साल तक वह बच्चा कहा जाता है. इस लिहाज से थैडियस अभी दुनिया का सबसे उम्रदराज शिशु है. कारण साफ है कि थैडियस अब भी नवजात और शिशु कहलाने की शर्त को पूरी करता है.

30 साल पहले बना भ्रूण

रोचक बात ये है कि इससे पहले का रिकॉर्ड 30 साल पुराने भ्रूण से पैदा हुए जुड़वां बच्चों के नाम था. लिंडसे ने बताया, "हमने रिकॉर्ड तोड़ने के बारे में नहीं सोचा था. हम सिर्फ एक बच्चा चाहते थे." थैडियस का भ्रूण 1990 के दशक में बनाया गया था. उस वक्त टिम और लिंडसे चार और तीन साल के थे.

कैसे मिला भ्रूण

टिम और लिंडसे सात साल तक बच्चा पैदा नहीं कर पाए थे, जिसके बाद वे एक कार्यक्रम में शामिल हुए. उन्हें थैडियस का भ्रूण मिला. लिंडसे ने कहा, "जन्म मुश्किल था, लेकिन अब हम ठीक हैं. वह बहुत शांत है. हमें यकीन नहीं हो रहा कि हमें यह कीमती बच्चा मिला."

रेस्टोरेंट स्टाइल चिली पनीर

सामग्री :

- पनीरः 250 ग्राम
- मैदाः 2 बड़े चम्मच
- कॉर्नफ्लोरः 2 बड़े चम्मच
- नमकः 1/2 छोटा चम्मच
- काली मिर्च पाउडरः 1/4 छोटा चम्मच
- तेल
- लहसुनः 1 बड़ा चम्मच
- अदरकः 1 बड़ा चम्मच
- हरी मिर्चः 2-3
- प्याजः 1
- शिमला मिर्चः 1
- सोया सॉसः 2 बड़े चम्मच
- रेड चिली सॉसः 1 बड़ा चम्मच
- टोमैटो केचपः 1 बड़ा चम्मच
- विनेगर (सिरका): 1 छोटा चम्मच
- नमकः स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच
- कॉर्नफ्लोर का घोल
- हरा प्याजः गार्निशिंग के लिए

विधि :

एक बड़े बाउल में मैदा, कॉर्नफ्लोर, नमक और काली मिर्च

पाउडर मिलाएं। इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक गाढ़ा घोल बना लें। अब पनीर के टुकड़ों को इस घोल में अच्छी तरह से लपेट लें। एक कड़ाही में तेल गरम करें। पनीर के टुकड़ों को धीरे-धीरे डालें। इन्हें सुनहरा और हल्का कुरकुरा होने तक तलें। तले हुए पनीर को किचन टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। उसी कड़ाही में से अतिरिक्त तेल निकाल दें, सिर्फ 2 चम्मच तेल छोड़ दें। गरम तेल में बारीक कटा हुआ लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकंड के लिए भूनें। अब इसमें चौकोर कटे हुए प्याज और शिमला मिर्च डालें। इन्हें तेज आंच पर सिर्फ 2-3 मिनट के लिए भूनें। सब्जियों में हल्का क्रंच रहना चाहिए। आंच धीमी करें और सोया सॉस, रेड चिली सॉस, टोमैटो केचप और सिरका डालें। सब कुछ अच्छी तरह से मिलाएं। नमक और काली मिर्च पाउडर डालें। अब तैयार किया हुआ कॉर्नफ्लोर का घोल सॉस में मिलाएं। इसे लगातार चलाते रहें ताकि गाँठें न पड़ें। सॉस के गाढ़ा होने तक पकाएं। जब सॉस गाढ़ा हो जाए, तो तले हुए पनीर के टुकड़े डालें।पनीर को सॉस के साथ अच्छी तरह से टॉस करें, ताकि हर टुकड़े पर सॉस की एक अच्छी कोटिंग हो जाए। इसे एक मिनट के लिए पकाएं और फिर गैस बंद कर दें।

डाइजेशन को बेहतर बनाते हैं 5 देसी स्ट्रीट फूड्स

भारत में शायद ही कोई ऐसा होगा जिसे खाने-पीने का शौक नहीं होगा। यहां पर खाने की दीवानगी तो इस हद तक देखी जाती है कि हर कोई स्ट्रीट फूड को खाना पसंद करता है। जब भी बात स्ट्रीट फूड की होती है तो हमारे जहन में अक्सर मसालेदार, चटपटा और सेहत के लिए नुकसानदेह खाना ही आता है। लोग मानते हैं कि ये स्वाद तो देते हैं लेकिन सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं। हम आपको उन देसी स्ट्रीट फूड्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपकी सेहत को फायदा पहुंचा सकते हैं। आइए जानते हैं विस्तार से -

गोलगप्पे

गोलगप्पे को पानी पूरी भी कहा जाता है। इसका तीखा पानी जीरा, पुदीना, हींग और इमली से बना होता है। ये गैस कम करने और डाइजेशन सुधारने में मदद करता है। ऐसे में आप इसे लिमिट में खा सकते हैं। हालांकि, आप जब भी इसे खाने का सोचें तो ऐसी जगह पर ही जाएं जहां साफ-सफाई का ध्यान रखा गया हो और ताजे पानी का इस्तेमाल किया जाता हो।

ढोकला

ढोकला एक गुजराती डिश है। इसे बेसन से बनाकर तैयार किया जाता है। इसे भाप में पकाया जाता है। इसमें प्रोबायोटिक होते हैं, जो डाइजेशन के लिए अच्छे होते हैं। ये एक हल्का, कम फैट वाला और आसानी से डाइजेस्ट होने वाला नाश्ता है। इसे आप आसानी से बना सकते हैं।

मूंग दाल चाट

अंकुरित मूंग या भुनी हुई मूंग दाल के साथ बनी ये चाट फाइबर, प्रोटीन और ताजे सब्जियों से भरपूर होती है। ये न केवल खाने में स्वादिष्ट होती है बल्कि पेट के लिए भी हल्की और फायदेमंद होती है। अगर आप इसे खाते हैं तो फाइबर से भरपूर होने के कारण ये आपके पेट को भी लंबे समय तक के लिए भरा रखती है। इससे वजन कम करना आसान हो जाता है।

भुट्टा

कोयले पर भुना हुआ भुट्टा, नींबू और चाट मसाले के साथ खाया जाता है। ये भी फाइबर से भरपूर होता है। इसे खाने से कब्ज से राहत मिलती है। खास बात तो ये है कि ये बिना तेल के होता है।

मिसल पाव

मिसल पाव में अंकुरित बीन्स होती है। ये फाइबर और प्रीबायोटिक से भरपूर होती है। बताया जाता है कि ये पेट के अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करती है। इस कारण डाइजेशन बेहतर होता है। साथ ही ये आपको ओवरईटिंग से भी बचाती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- साफ-सफाई वाले स्टॉल से ही खाएं
- ज्यादा ऑयली चीजों को खाने से बचें
- सीमित मात्रा में ही खाएं, संतुलन जरूरी है

आज का राशिफल

मेष : लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। समय पर कर्ज चुका पाएंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : शारीरिक कष्ट संभव है। पारिवारिक समस्या से चिंता बढ़ सकती है। नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : धार्मिक कार्य में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा। विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। चिंता बनी रहेगी।

कर्क : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

सिंह : संपत्ति की खरीद-फरोख्त में सफलता मिलेगी। स्थायी संपत्ति की दलाली बड़ा लाभ दे सकती है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कन्या : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभदायक रहेंगे। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड में निवेश लाभदायक रहेगा।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृश्चिक : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

धनु : कानूनी अड़चन सामने आएगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। शेयर मनोनुकूल लाभ देंगे।

मकर : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा। बड़ा काम करने की योजना बनेगी। लाभ होगा।

कुंभ : सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। निवेश शुभ रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। चोट व रोग से बचें। यश बढ़ेगा। बेचैनी रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन : आज माता को शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अचानक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। घर में बोलचाल में अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपरिचित व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा न करें। चिंता तथा तनाव आज के दिन बने रहेंगे। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कोलेस्ट्रॉल कम करेगी ये जादुई चाय

इन दिनों हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या कई लोगों के लिए परेशानी की वजह बनी रहती है। गलत खानपान, बिजी लाइफस्टाइल और इनएक्टिव रहने की वजह से लोग अक्सर इसका शिकार हो जाते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ता लेवल कई तरह से हानिकारक हो सकता है। इसकी वजह से हार्ट अटैक, स्ट्रोक का भी खतरा बढ़ जाता है।

ऐसे में हाल ही में हेल्थ इंफ्लुएंसर और गट हेल्थ डाइटिशियन Manpreet Kalra ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि कोलेस्ट्रॉल के बढ़ते लेवल को कंट्रोल करने के लिए आप घर पर ही एक जादुई चाय तैयार कर सकते हैं। यह चाय न सिर्फ हाई कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करेगी, बल्कि सेहत को और भी कई फायदे पहुंचाता है। आइए जानते हैं कैसे बनाएं हाई कोलेस्ट्रॉल के लिए चाय-

ऐसे बनाएं चाय

सामग्री

- 1.5 कप पानी
- 1/2 चम्मच अर्जुन की छाल पाउडर
- 4-5 तुलसी की पत्तियां
- 1 इंच अदरक (कद्दूकस किया हुआ)
- 1/2 चम्मच हल्दी
- 1-2 लहसुन की कलियां (कुचली हुई)

बनाने का तरीका

इस चाय को बनाने का तरीका काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले सभी सामग्री को पानी में डालकर अच्छे से उबालें। जब यह पानी करीब एक कप रह जाए, तो इसे छान लें और इस पानी को गुनगुना पिएं। बेहतर नतीजों के लिए इस चाय को दिन में एक बार जरूर पिएं। सुबह खाली पेट इसे पीना ज्यादा फायदेमंद होगा।

कैसे असर करती है चाय?

- इस चाय को बनाने के लिए आयुर्वेदिक सामग्रियों का इस्तेमाल किया गया है। इसमें इस्तेमाल होने वाली चीजें दिल की सेहत को सुधार करती है और बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी मदद करती है।
- इस चाय में मौजूद अदरक सिर्फ स्वाद ही भी, बल्कि सेहत को भी शानदार बनाती हैं। इसकी मदद से अपने लिपिड प्रोफाइल यानी कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल में रखने में मदद मिलती है।
- हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है, जो शरीर में होने वाली सूजन और ऑक्सीडेटिव डैमेज को कम करता है। ये दोनों ही चीजें आर्टरीज में प्लाक जमने का कारण बनती है। ऐसे में इस चाय में हल्दी मिलाने से हार्ट की आर्टरीज को साफ करने में मदद मिलती है
- इस चाय में लहसुन के इस्तेमाल से न सिर्फ बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है, बल्कि गुड कोलेस्ट्रॉल का लेवल भी बढ़ता है।
- तुलसी की पत्तियां सदियों से अपने औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। इसमें खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं। साथ ही इसकी मदद से आर्टरीज की सफाई होती है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।
- अर्जुन की छाल आपके हार्ट की सेहत में सुधार कर इसे मजबूत बताती है और ब्लड फ्लो को बेहतर करती है।

बारिश में नहीं जमता गाढ़ा और मलाईदार दही

दादी-नानी वाले इस ट्रिक को ट्राई करें

कुछ लोग क्वालिटी, हाइजीन, शुद्धता से कॉम्प्रोमाइज नहीं करते हैं. ऐसे में वे घर पर ही दही जमाना पसंद करते हैं. हालांकि, कई बार दही सही से नहीं जमता है. खासकर, बरसात के मौसम में गाढ़ा, मलाईदार दही नहीं जम पाता. ऐसे में क्या किया जाए कि बारिश के मौसम में भी बिल्कुल गर्मी के मौसम वाला दही जम सके? परेशान न हों, आपके लिए हम कुछ टिप्स लेकर आए हैं, ताकि गाढ़ा दही जमा सकें.

गाढ़ा, मलाईदार दही जमाने का तरीका

- बारिश के दिनों में वातावरण में नमी, ठंडा रहने से दही सही से नहीं जमता है. दही जमने के लिए गर्म वातावरण की जरूरत होती है. यदि आप दूध में दही डालने के बाद उसे पंखे, एसी के नीचे या फिर फ्रिज में रख देते हैं तो ऐसा बिल्कुल न करें. इससे दही सही नहीं जमेगा.
- बारिश में दही जमाएं तो फुल क्रीम दूध ही लें. इससे दही गाढ़ा और मलाईदार जमेगा. दूध को सही से उबालने के बाद इसे हल्का गुनगुना गर्म होने के लिए छोड़ दें.
- दूध बहुत अधिक गर्म ना रहे वरना दही डालते ही दूध फट सकता है. गुनगुने दूध में दही जमाना बेस्ट होता है. जामन वाला दही बहुत पुराना, खट्टा न हो. जामन के लिए एक छोटा चम्मच दही आप ले सकते हैं.
- जब दूध गुनगुना हो जाए तो उसमें थोड़ा-थोड़ा दही कहीं-कहीं दूध के बाउल में डालते जाएं. ध्यान रखें इसे बिल्कुल भी मिक्स न करें. अब बाउल को ढक्कन से ढक दें. बिल्कुल भी बार-बार इस कटोरे को हिलाएं-डुलाएं नहीं वरना दूध सही से सेट नहीं होगा.
- 7-8 घंटे ऐसे ही रहने दें. आप फ्रिज में या एसी के नीचे इसे बिल्कुल भी न रखें. गर्मी अधिक होने पर दही 5-6 घंटे या रातभर में जम जाता है. बारिश में इसे परफेक्ट तरीके से जमने में 8-9 घंटे भी लग सकते हैं.जब ढक्कन हटाकर देखेंगे तो दही जम गया होगा. इसे थोड़ी देर फ्रिज में ठंडा होने के लिए रखें. आप जब इसे खाने के लिए निकालेंगे तो आपको मिलेगा परफेक्ट गाढ़ा और मलाईदार दही.
- कई बार कुछ लोग बार-बार दही जमाने वाले बर्तन को हिलाते-डुलाते रहते हैं. चम्मच से दही का जामन दूध में डालने के बाद मिक्स कर देते हैं. ऐसा करने से बचें वरना दही बिल्कुल भी नहीं जमेगा.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बारिश का कहर: भरभराकर गिरा मकान, मलबे में दबने से मां-बेटी की दर्दनाक मौत

कौशांबी. यूपी में कहीं-कहीं भारी बारिश से हालात खराब हो गए हैं। इसी क्रम में कौशांबी जिले में रविवार सुबह बारिश के कारण एक कच्चा मकान भर-भराकर ढह गया। इससे मां-बेटी की मौत हो गई। जबकि एक अन्य युवती घायल हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) राजेश कुमार सिंह ने बताया कि घटना मंझनपुर थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव में सुबह करीब 9 बजे हुई। महराजदीन रैदास का कच्चा मकान भारी बारिश के बीच ढह गया। जिससे उनकी पत्नी प्रेमा देवी (55) और उनकी दो बेटियां साधना (19) और आराधना (17) मलबे में दब गईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया।

अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गड्ढे में गिरी; 29 घायल, 6 की हालत गंभीर

गोंडा. यूपी में गोंडा के बाद संतकबीरनगर में भीषण हादसा हो गया। यहां अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं से भरी पिकअप गड्ढे में गिर गई। इस हादसे में 29 लोग घायल हो गए। जिनमें से छह की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा धनघटा थाना क्षेत्र के डुहिया पुल के पास रविवार दोपहर का है। पुलिस के अनुसार गोरखपुर जनपद के बांसगांव थाना क्षेत्र के भैसारानी गांव से 29 श्रद्धालु पिकअप से अयोध्या जा रहे थे। जैसे ही गाड़ी डुहिया पुल के पास पहुंची तो पिकअप गड्ढे में चली गई। जिससे गाड़ी पलट गई। पिकअप में बैठे श्रद्धालुओं में चीखपुकार मच गई। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस के पहुंचने पर सभी 29 घायलों को निकालकर सीएचसी पहुंचाया। जिनमें से छह की हालत गंभीर थी।

नौ साल से बंधक परिवार को पुलिस ने कराया मुक्त, ठेकेदार करवाता था घर के काम

हमीरपुर. यूपी में हमीरपुर के मौदहा कस्बा में बीते नौ साल से बंधक बना कर रखे गए एक परिवार के सदस्यों को यूपी पुलिस ने मुक्त करवाया। बंधक रहे पीड़ित परिवार की गृहस्थी आरोपी के घर से निकाल कर पुलिस ने पीड़ित परिवार को सौंपकर राहत पहुंचाई। जानकारी के अनुसार मौदहा कस्बा निवासी छिद्दू ने दो दिन पहले कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि कस्बा के रफीक ठेकेदार ने उसे परिवार सहित बंधक बना कर रखा है। साथ ही बीते नौ साल तक अपनी खेती-बाड़ी सहित घर का काम कराया है। रफीक और उसके परिजन पीड़ित व उसके बच्चों से मारपीट करते रहे हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रफीक ठेकेदार सहित उसके पुत्र इमरान रफीक व बेटी पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था।

पटना-मधुबनी में कटे सबसे ज्यादा वोटरों के नाम

पटना. बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान कुल 7.2 करोड़ वोटर्स में से 65 लाख नाम कट गए हैं। चुनाव आयोग ने नई वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है। 65 लाख में से 22 लाख लोग ऐसे हैं जिनकी मौत हो चुकी है, जबकि बाकी मतदाताओं के नाम कटने की वजहें अलग-अलग हैं। इसमें माइग्रेशन, अंतरराज्यीय प्रवास और सीमा पार पारिवारिक संबंधों वाले मतदाता भी शामिल हैं। आइए, जानते हैं कि इतनी बड़ी संख्या में नाम कटने के पीछे वजह क्या है?

राजधानी पटना को लेकर बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) का कहना है कि जब वे पहले भरे हुए प्रणाम फॉर्म लेकिर घर-घर जा रहे थे तो बहुत सारे घरों में कोई मिला ही नहीं। कई मतदाता शहर में ही कहीं गए थे तो कुछ लोग कहीं और रहने लगे थे। बहुत सारे ऐसे भी लोग थे जो कि किराए के मकानों को बदल चुके थे। ऐसे में बड़ी संख्या में नाम ड्राफ्ट लिस्ट से कट गए। इसके बाद इन मतदाताओं को जोड़ने के लिए स्वच्छता कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर खाली फॉर्म वितरित किए। इसके

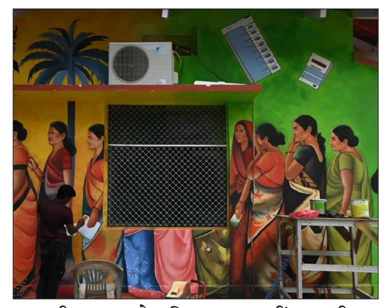

बाद भी बहुत सारे परिवार जुड़ नहीं सके। ऐसे में अकेले पटना में ही 14 विधानसभा क्षेत्रों में 3.95 लाख नाम काट दिए गए।

इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुकाबिक परिवारों में बंटवारा और फिर न्यूक्लियर फैमिली की वजह से भी बहुत सारे लोगों के नाम कट गए। बहुत सारे लोगों को कोई बताने वाला ही नहीं था कि उनका नाम कट गया है। अब चुनाव आयोग दावों और आपत्तियों को स्वीकार कर रहा है। ऐसे में कई लोगों ने दावा किया है कि उनका नाम मृतकों में शामिल हो गया है जबकि वे जिंदा हैं। वहीं कुछ ऐसे भी नाम हैं जिनकी मौत हो गई है फिर भी वोटर लिस्ट में शामिल हैं।

इन जिलों में भी कम हो गए वोटर

बिहार के उत्तरी जिलों में सबसे ज्यादा नाम कटे हैं। इसमें दरभंगा, मधुबनी, गोपालगंज और सीमांचल के जिले शामिल हैं। मधुबनी में 3.5 लाख, दरभंगा में दो लाख और गोपालगंज में लगभग 3.1 लाख मतदाता कम हो गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि बहुत सारे वोटर अस्थायी रूप से अपना क्षेत्र छोड़कर कहीं और रहने लगे हैं। ऐसे में उनके नाम कट गए हैं।

नेपाल कनेक्शन

सीमांचल बेल्ट में एक अलग ही चुनौती है। यहां बहुत सारे लोगों की रिश्तेदारियां नेपाल से हैं। बीएलओ ने दावा किया है कि बहुत सारे लोग नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए हैं और उनके नाम वोटर लिस्ट में शामिल थे। पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, सीतामढ़ी, सुपौल, अररिया और पूर्णिया जिलों में इस तरह की समस्या ज्यादा है। कई ऐसे लोग हैं जो कि बिहार में रहते थे लेकिन अब नेपाल में रहने लगे हैं।

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका

6 बार के विधायक व दलित चेहरे अशोक राम JDU में गए

पटना. बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेताओं में शुमार अशोक राम ने हाथ का साथ छोड़ दिया है। अशोक राम ने पटना में जनता दल यूनाइटेड (JDU) का दामन थाम लिया है। जेडीयू कार्यालय में अशोक राम ने औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। अशोक राम बिहार प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष थे। अशोक राम 6 बार विधायक भी रह चुके हैं।

इसके अलावा वो बिहार सरकार में मंत्री और कांग्रेस

विधायक दल के नेता रह चुके हैं। अशोक राम ने रविवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में पार्टी की सदस्यता ली है। कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा ने उन्हें सदस्यता दिलाई है। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा मौजूद थे।

इससे पहले कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा जा रहा था कि अशोक कांग्रेस में खुद को हाशिये पर धकेले जाने से नाराज थे। यह भी कहा जा रहा है कि अशोक राम बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरू से नाराज चल रहे थे। आखिरकार पार्टी में अपनी उपेक्षा से नाराज अशोक राम ने बिहार चुनाव से पहले जदयू का दामन थाम लिया। अशोक राम के पिता बालेश्वर राम भी कांग्रेस के नेता रहे हैं। इधर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा है कि कांग्रेस के कई बड़े लोग जदयू के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों को पता है कि अब जमीन पर उनका कुछ नहीं बचा है। लिहाजा, वे उसे छोड़ना चाहते हैं।

लालू कांग्रेस को खत्म करने में सफल रहे- अशोक राम

जदयू का दामन थामने के बाद अशोक राम ने कहा कि लालू यादव कांग्रेस को खत्म करने की मंशा में सफल रहे। कांग्रेस पार्टी को अब मेरी जरुरत नहीं है। कांग्रेस अब नेहरू-राजीव के दौर की नहीं रही। अशोक राम ने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी का पूरा परिदृश्य बदल गया है। अशोक राम ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में मुझे दरकिनार कर दिया गया। एक बार पूछा नहीं गया और घर बैठा दिया गया। कम से कम पूछना चाहिए था। उस वक्त टिकट उन्हें दिया गया जो बाहर से आए थे। यह तो अपमानित करना हुआ। मुझे उसी समय कांग्रेस छोड़ देना चाहिए था। अशोक राम ने यह भी कहा कि अभी कुछ और नेता कांग्रेस छोड़ेंगे।

स्पाइसजेट के 4 कर्मचारियों को सेना के अधिकारी ने पीटा

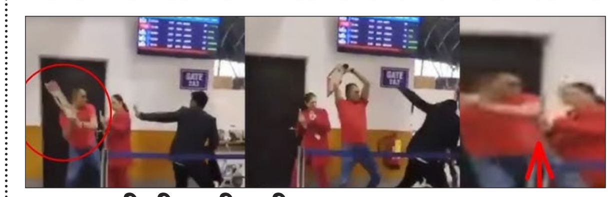

एक की रीढ़ की हड्डी टूटी, दूसरे का जबड़ा

बेहोश हुए स्टॉफ को लातों से मारता रहा

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरपोर्ट पर एक्स्ट्रा लगेज को लेकर सेना के एक अधिकारी ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों के साथ मारपीट की। एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई। दूसरे का जबड़ा टूट गया। तीसरे के नाक से खून निकलने लगा। वहीं चौथा कर्मचारी बेहोश हो गया, उसके बावजूद आरोपी लातें मारता रहा।

यह घटना 26 जुलाई की है। मामला अब सामने आया है। एयरलाइन की तरफ से भी बयान जारी करके आरोपी सैन्य अधिकारी को नो फ्लाइंग लिस्ट में डाल दिया है। वहीं सेना ने भी मामले का संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

अब जानिए क्या है पूरा मामला...

26 जुलाई को श्रीनगर से दिल्ली जाने वाले स्पाइसजेट फ्लाइट SG-386 के बोर्डिंग गेट पर एक पैसेंजर, जो सेना का अधिकारी बताया जा रहा है, उसने चार स्टॉफ पर जानलेवा हमला कर दिया। एयरलाइन के मुताबिक, आरोपी अधिकारी दो केबिन बैग्स ले जा रहा था, जिनका कुल वजन 16 किलो था। यह 7 किलो की सीमा से दोगुना था। स्पाइसजेट के स्टॉफ ने पैसेंजर को बताया कि आपका लगेज तय मानकों से ज्यादा है। इसलिए आपको अतिरिक्त पेमेंट करना होगा। आरोपी अधिकारी ने एक्स्ट्रा पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद वह बोर्डिंग प्रोसेस पूरी किए बिना ही जबर्दस्ती एयरोब्रिज में घुस गया। यह सिक्योरिटी प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। जब स्टॉफ ने आरोपी को रोकने की कोशिश की तो उसने पीटना शुरू कर दिया। बगल में रखे एक स्टैंड से कर्मचारी पर हमला कर दिया। उन्हें लात-घूंसे भी मारे। कुछ के जबड़े में भी चोट आई। स्पाइसजेट का एक कर्मचारी बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ा, लेकिन यात्री बेहोश कर्मचारी को लात मारता रहा। बेहोश हुए कर्मचारी की मदद के लिए नीचे झुकते समय एक अन्य कर्मचारी के जबड़े पर जोरदार लात लगने से उसकी नाक और मुंह से खून बहने लगा। घायल कर्मचारियों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है।

500 के नकली नोट छापने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

60 लाख के नोट जब्त

संभाजीनगर. महाराष्ट्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए नकली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने 60 लाख रुपये के नकली नोट जब्त किए हैं और सात लोगों को हिरासत में लिया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नोट छापने का सामान भी बरामद हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई छत्रपति संभाजीनगर इलाके में की गई, जहां नकली नोट छापने वाली एक फैक्ट्री चल रही थी। अहिल्यानगर तालुका पुलिस ने छापेमारी कर 500 की करेंसी वाले 60 लाख रुपए के जाली नोट जब्त किए। इसके अलावा पुलिस ने 2 करोड़ 16 लाख रुपये के नकली नोट छापने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विशेष कागज और करीब 88 लाख रुपये मूल्य का अन्य सामान भी बरामद किया है, जिसमें प्रिंटर, स्कैनर, रंग, कटर आदि शामिल हैं।

इस पूरे मामले का खुलासा तब हुआ जब पुलिस निरीक्षक प्रल्हाद गीते को यह सूचना मिली कि नगर तालुका क्षेत्र में दो युवक नियमित रूप से एक पान की दुकान से 500 रुपये के नकली नोट देकर सिर्फ 100 रुपये की सिगरेट खरीदते हैं और बाकी के असली पैसे वापस ले जाते हैं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों निखिल गांगुर्डे और सोमनाथ शिंदे को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 80 हजार रुपये के नकली नोट बरामद किए गए। गहन पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे एक बड़े गिरोह का हिस्सा हैं और छत्रपति संभाजीनगर में एक नकली नोट छापने की फैक्ट्री है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल वहां छापा मारा और फैक्ट्री से बड़ी मात्रा में नकली नोट और उपकरण जब्त किए।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यह गिरोह बड़ी ही चालाकी से नकली नोटों को बाजार में खपाने का काम कर रहा था। इस मामले का भंडाफोड़ करते हुए 7 लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच अभी जारी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह के तार कहीं बाहर से तो नहीं जुड़े हुए हैं।

दिल्ली में 10 साल के बच्चे ने फांसी लगाई

मौत से पहले सात घंटे खेला फ्री फायर गेम और चार घंटे यूट्यूब देखा

नई दिल्ली. दिल्ली के नांगलोई इलाके में 10 साल के बच्चे ने 31 जुलाई को आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि बच्चा एमसीडी स्कूल में पढ़ता था और मोबाइल गेम्स का आदी था। वह अपने माता-पिता के साथ अंबिका विहार कॉलोनी में रहता था। दोनों माता-पिता नौकरी करते हैं।

पुलिस के मुताबिक, बच्चा

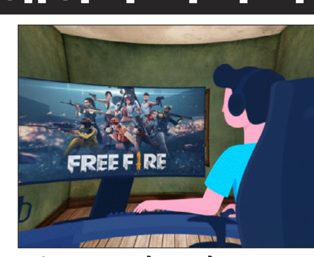

करीब 10-11 घंटे तक मोबाइल पर एक्टिव था। उसने लगातार सात घंटे तक फ्री फायर गेम खेला और करीब चार घंटे यूट्यूब देखा। 31 जुलाई को भारी बारिश के कारण बच्चा स्कूल नहीं गया था और माता-पिता उसे घर पर छोड़कर काम पर चले गए थे। शाम को जब वे लौटे तो उन्होंने बेटे का शव लोहे की पाइप से लटका पाया।

पुलिस अब यह जांच कर रही है कि क्या माता-पिता की डांट, स्कूल का दबाव या गेम में हार की वजह से बच्चे ने इतना बड़ा कदम उठाया। हालांकि, बच्चे के शरीर पर कोई चोट के निशान नहीं मिले हैं।

पिता का आरोप, बेटे की हुई हत्या

पिता का कहना है कि उनके बेटे की किसी ने हत्या की है और इसे आत्महत्या का रूप दिया है। उनके मुताबिक करीब 10 फीट की ऊंचाई पर फंदा था। बच्चा वहां तक पहुंच ही नहीं सकता था।

नहीं रहे 'दो रुपए वाले डॉक्टर', मरीजों का लगा रहता था तांता

कन्नूर. केरल के कन्नूर में डॉक्टर एके रायरू गोपाल का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण रविवार को निधन हो गया। वह पिछले पांच दशक से अपने क्लीनिक में मात्र दो रुपए में हजारों गरीब मरीजों का इलाज करते रहे। डॉक्टर गोपाल के परिवार से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। गोपाल 80 वर्ष के थे और उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। कोई उन्हें दो रुपए वाले डॉक्टर साहब कहता तो कोई जनता का डॉक्टर। सुबह चार बजे उनकी क्लीनिक शुरू हो जाती और शाम चार बजे तक चलती रहती। हर रोज सैकड़ों की संख्या में मरीज आते। उनकी फीस भी मात्र दो रुपए थी। सेवा का भाव ऐसा कि जिन मरीजों के पास दवा खरीदने के पैसे नहीं होते, उन्हें भी दवा दे देते।

डॉक्टर गोपाल अपने निवास

'लक्ष्मी' में ही बने क्लीनिक में हर रोज मरीजों को देखते थे। बाद में गिरती सेहत के कारण उन्होंने क्लीनिक का समय सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक कर दिया था। उम्र संबंधी समस्याओं के कारण मई 2024 में उन्हें अपना क्लिनिक बंद करना पड़ा था। इससे क्षेत्र के गरीब मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि चिकित्सक का अंतिम संस्कार दोपहर में पय्यम्बलम में किया जाएगा।

सीएम ने जताया शोक

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने 'जनता का डॉक्टर' के नाम से मशहूर चिकित्सक रायरू गोपाल के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि आधी सदी से वह अपनी परामर्श सेवा के लिए केवल दो रुपए ही लेते रहे। लोगों की सेवा करने की उनकी इच्छा गरीब मरीजों के लिए एक बड़ी राहत थी।

साइना ने पति संग फोटो शेयर की

19 दिन पहले अलग हुए थे,

अब लिखा- हम फिर कोशिश कर रहे

बैडमिंटन ओलिंपिक मेडलिस्ट साइना नेहवाल ने पति पारुपल्ली कश्यप के साथ शनिवार को सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की। उन्होंने लिखा- कभी-कभी दूरियों से इंसान की अहमियत समझ आती है। यहां हम फिर से कोशिश कर रहे हैं।

साइना नेहवाल ने 19 दिन पहले इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट करते हुए लिखा था कि उन्होंने पति से अलग होने का फैसला कर लिया है।

साइना ने पारुपल्ली कश्यप को टैग किया और फोटो शेयर की। इसमें दोनों पहाड़ों के बैकग्राउंड में खड़े नजर आए। जहां पीछे की ओर पानी भी नजर आया। साइना ने शनिवार शाम 7 बजे यह पोस्ट की।

साइना नेहवाल ने 13 जुलाई को इंस्टाग्राम पर स्टोरी में लिखा, 'बहुत सोच-विचार के बाद कश्यप और मैंने अलग होने का फैसला किया है।' साइना ने लिखा, 'जिंदगी कभी-कभी हमें अलग-अलग दिशाओं में ले जाती है। हम एक-दूसरे के लिए शांति, तरक्की और उबरना चुन रहे हैं। मैं उनके साथ सभी यादों के लिए आभारी हूं और आगे के लिए शुभकामनाएं देती हूं। हमारी निजता को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद।'

7 साल पहले हुई थी शादी, ट्रेनिंग के दौरान मिले थे

साइना नेहवाल ने 14 दिसंबर, 2018 को कश्यप पारुपल्ली से लव मैरिज की थी। दोनों 2007 से रिलेशनशिप में थे। हालांकि 2005 से एक-दूसरे को जानते थे। अपने करियर के शुरुआती दिनों में दोनों हैदराबाद के पुलेला गोपीचंद एकेडमी में एक साथ ट्रेनिंग करते थे।

एकेडमी में ट्रेनिंग के दौरान ही दोनों मिले थे। दोनों इस खेल में काफी आगे बढ़े। लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद 2018 में दोनों ने शादी की थी। हालांकि शादी तक दोनों की रिलेशनशिप के बारे में लोगों को भनक भी नहीं थी।

प्रज्वल रेवन्ना की अब नई पहचान 'कैदी नंबर 15528'

पूर्व PM देवगौड़ा का पोता नौकरानी से रेप का दोषी

बेंगलुरु. पूर्व JDS सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना बेंगलुरु की अग्रहारा सेंट्रल जेल में कैदी नंबर 15528 बन गए हैं। रेवन्ना ने शनिवार को जेल में अपनी पहली रात बिताई। बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने शनिवार को प्रज्वल रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई। सांसदों/विधायकों की स्पेशल कोर्ट के जज संतोष गजानन भट ने रेवन्ना पर 11.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। इसमें से 11.25 लाख रुपए पीड़ित को दिए जाएंगे।

जेल अधिकारियों ने बताया कि सजा सुनाए जाने के बाद शाम को रेवन्ना का मेडिकल चेकअप करवाया गया। इस दौरान वह मेडिकल स्टाफ के सामने रोता रहा। हालांकि, इस दौरान उसने किसी से कोई बात नहीं की। मेडिकल चेकअप के बाद उसे जेल लाया

गया, जहां उसे कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया। रेवन्ना के परिवार के फार्महाउस में काम करने वाली 47 साल की महिला ने पिछले साल अप्रैल में रेवन्ना के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। इसमें रेवन्ना पर 2021 से कई बार रेप करने और किसी को भी घटना के बारे में बताने पर वीडियो लीक करने की धमकी देने का आरोप लगाया था।

कोर्ट ने 18 जुलाई को इस मामले की सुनवाई पूरी की थी। रेवन्ना के खिलाफ रेप, ताक-झांक, आपराधिक धमकी और अश्लील तस्वीरें लीक करने सहित कई धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। उसके खिलाफ रेप के कुल 4 मामले दर्ज हैं। इनमें से यह पहला केस है, जिसमें उसे दोषी ठहराया गया है।

रेवन्ना के 2 हजार से ज्यादा वीडियो क्लिप सामने आए थे

पिछले साल, रेवन्ना के सोशल मीडिया पर 2,000 से ज्यादा अश्लील वीडियो क्लिप सामने आए थे। 2024 के लोकसभा चुनावों में रेवन्ना ने कर्नाटक की हासन संसदीय सीट पर दूसरी बार चुनाव लड़ा था, लेकिन वह अपनी सांसदी नहीं बचा सका। उसके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद JDS ने उसे पार्टी से निलंबित भी कर दिया था।

नहर में गिरी बोलेरो, 11 की मौत

4 घायल

गोंडा में बड़ा हादसा

गोंडा. यूपी के गोंडा में बड़ा हादसा हो गया। यहां बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी हैं। बोलेरो में 15 लोग सवार थे। चार लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। ये सभी लोग पृथ्वीनाथ मंदिर जल चढ़ाने जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार गोंडा के मोतीगंज थाना के सीहागांव-खरगूपुर मार्ग के पास यह हादसा हुआ है। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि लगातार बारिश की वजह से नहर के किनारे रास्ता फिसलन वाला हो गया था। बोलेरो की स्पीड थोड़ी ज्यादा थी। वो अचानक बेकाबू हो गई और देखते ही देखते नहर में जा समाई।

आसपास मौजूद लोगों ने यह देखा तो दौड़कर वहां पहुंचे। लोगों ने डूब रहे लोगों को बचाने की

कोशिश के साथ ही पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचवाया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर दुख जताते हुए अधिकारियों से मौके पर मौजूद रहकर राहत और बचाव का काम तेजी से कराने और घायलों का समुचित इलाज सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। उन्होंने मृतकों के परिवारीजनों को 5-5 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने का निर्देश दिया है।

गोंडा जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र के ही सीहा गांव के रहने वाले दो परिवारों के 15 लोग संयुक्त रूप से रविवार की सुबह बोलेरो से जिले के ही खरगुपुर में स्थापित पांडवकालीन प्रसिद्ध पृथ्वी नाथ मंदिर पर जलाभिषेक और दर्शन पूजन के लिए जा रहे थे। इटियाथोक थाना क्षेत्र के रेहरा गांव के पास वे पहुंचे ही थे कि बेकाबू होकर बोलेरो पटरी से सरयू नहर में जा गिरी। आसपास के लोगों ने यह देखा तो दौड़कर वहां पहुंचे। उन्होंने नदी में गिरी बोलेरो के शीशे को तोड़कर उसमें से सभी को एक-एक कर बाहर निकाला। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। चार लोग घायल थे जिन्हें एंबुलेंस से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शवों को नहर से बाहर निकाला। मिली जानकारी के अनुसार मरने वालों में बीना (35), काजल (22), महक (12), दुर्गेश, नंदिनी, अंकित, शुभ, संजू वर्मा, अंजू, अनसुइया, सौमिया शामिल हैं।

पति की हत्या करवाकर लाश नाले में फिंकवाई

दिल्ली की महिला ने हरियाणा के प्रेमी के साथ रची साजिश

गाड़ी बेचकर दी 50 हजार की सुपारी

दिल्ली. दिल्ली पुलिस ने एक महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। उसने पैसे देकर अपने पति की हत्या करवा दी और लाश को नाले में डलवा दिया था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के अलीपुर निवासी 34 साल की सोनिया और सोनीपत निवासी उसके 28 साल के प्रेमी रोहित के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि मामले का एक अन्य आरोपी विजय फरार है। विजय रिश्ते में सोनिया का देवर है और उसने ही 50 हजार रुपए की सुपारी लेकर प्रीतम की हत्या की थी।

पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी महिला सोनिया ने पति की हत्या के लिए अपनी बहन के देवर विजय को 50 हजार रुपए की सुपारी दी थी।

हत्या के बाद विजय ने सोनिया को इंस्टाग्राम पर प्रीतम के शव का वीडियो और फोटो भेजकर रुपए मांगे। इसके बाद सोनिया ने पति का ऑटो बेचकर बाकी की रकम उसे चुकाई थी।

हिस्ट्रीशीटर था प्रीतम

क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया- प्रीतम प्रकाश (42) अलीपुर का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ 10 से ज्यादा मामले दर्ज थे। अदालत ने उसे भगोड़ा भी घोषित किया था।

सोनिया जब 15 साल की थी जब उसे प्रीतम से प्यार हो गया था। बाद में दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी कर ली थी। इस शादी से उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें एक 16 साल का लड़का और दो बेटियां हैं।

प्रेमी रोहित भी है क्रिमिनल

डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक, सोनिया का प्रेमी रोहित का भी क्रिमिनल रिकॉर्ड है। वह पहले भी पहले भी हत्या और हथियार रखने से जुड़े चार आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। रोहित की अप्रैल 2025 में शादी हुई थी।

संक्षेप...

बेकाबू बस ने लोगों को टक्कर मारी, 6 घायल

नवी मुंबई. नवी मुंबई इलाके में एक तेज रफ्तार बेकाबू बस ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में छह लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि घटना नवी मुंबई के तुर्भे नाका इलाके में गुरुवार रात 9 बजे घटी। नवी मुंबई नगर पालिका की इलेक्ट्रिक बस के ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया और पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी।

राकांपा (शप) के नेता जितेंद्र आव्हाड का सनातन धर्म पर प्रहार

'सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया'

मुंबई. एनसीपी-शरद पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने शनिवार को सनातन धर्म को लेकर बड़ा और विवादास्पद बयान दिया. उन्होंने कहा कि सनातन धर्म नाम की कोई चीज कभी थी ही नहीं और यह विचारधारा भारत के पतन की एक बड़ी वजह रही है. आव्हाड ने कहा, 'सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया है. ऐसा कोई धर्म कभी था ही नहीं जिसे सनातन धर्म कहा जाए. हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं. यही तथाकथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक को रोक दिया था. इसी सनातन ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया था.'

'सच कहने से डरने की जरूरत नहीं'- आव्हाड

उन्होंने साफ कहा कि आज के समय में इन बातों को खुलकर कहना चाहिए. उन्होंने कहा, 'हमें यह बात खुलकर कहने में डरना नहीं चाहिए कि सनातन धर्म और उसकी सनातनी विचारधारा विकृत है.' आव्हाड के इस बयान के बाद राजनीतिक और धार्मिक हलकों में हड़कंप मच गया है. बयान को लेकर विरोध और समर्थन दोनों ही स्वर सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं. अब देखना होगा कि इस बयान पर भाजपा और संघ परिवार की तरफ से क्या प्रतिक्रिया आती है.

फुले दंपति पर अत्याचार के लगाए आरोप

उन्होंने आगे कहा कि इस धर्म के नाम पर समाज के कई महान सुधारकों के साथ अत्याचार किए गए. 'सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या की कोशिश की थी. उन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी थी. यही सनातन धर्म शाहू महाराज की हत्या की साजिश रच रहा था.' डॉ. भीमराव आंबेडकर का जिक्र करते हुए आव्हाड बोले, 'इसने तो डॉक्टर भीमराव आंबेडकर को पानी पीने और स्कूल में पढ़ने तक की इजाजत नहीं दी. बाबासाहेब आंबेडकर ने बाद में इसी सनातन धर्म के खिलाफ आवाज उठाई, मनुस्मृति को जलाया और इसके दमनकारी परंपराओं को ठुकरा दिया. मनुस्मृति का रचयिता भी इसी सनातनी परंपरा से निकला था.'

मनसे कार्यकर्ताओं ने डांस बार में की जमकर तोड़फोड़

नवी मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने नवी मुंबई स्थित एक डांस बार के परिसर में जमकर उत्पात मचाया है। मनसे के कार्यकर्ताओं ने डांस बार परिसर में तोड़फोड़ की है। नवी मुंबई के पनवेल में शनिवार देर रात को यह घटना हुई है।

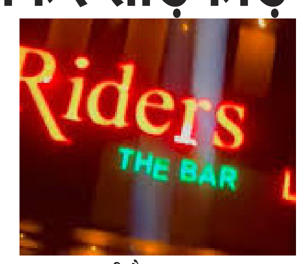

'नाइट राइडर्स बार' घुस गए मनसे कार्यकर्ता

इस पूरे मामले की अधिक जानकारी देते हुए पुलिस ने कहा कि मनसे के कुछ कार्यकर्ता पनवेल के बाहरी इलाके में स्थित 'नाइट राइडर्स बार' में घुस गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर फर्नीचर में तोड़फोड़ की, शराब की बोतलें तोड़ दीं और संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया।

टूटी हुई मेजें और कांच बिखरे हुए दिखे

कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें टूटी हुई मेजें, टूटे हुए कांच और बार के अंदरूनी हिस्से में हुई तोड़फोड़ नजर आ रही है।

अश्लीलता को पनपने नहीं देंगे-MNS

मनसे के एक पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज की पावन भूमि पर डांस बार का कोई स्थान नहीं है। हम पनवेल या राज्य में कहीं भी ऐसी अश्लीलता को पनपने नहीं देंगे।'

अब पुलिस खंगाल रही CCTV फुटेज

पनवेल पुलिस ने इस घटना को संज्ञान में लिया है। पुलिस की टीम ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'हम सीसीटीवी फुटेज जुटा रहे हैं। गवाहों के बयान दर्ज कर रहे हैं। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।'

कबूतरों को दाना डालने पर पुलिस ने दर्ज की FIR : देश का पहला मामला

मुंबई. मुंबई में पहली बार कबूतरों को दाना डालने पर अज्ञात शख्स के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. मुंबई में कबूतरों की बढ़ती संख्या और इससे जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए पुलिस ने पहली बार कबूतरों को दाना डालने वाले एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया. यह घटना मुंबई के माहिम इलाके की है, जहां एक शख्स को एलजी रोड पर अपनी कार से कबूतरों को दाना डालते हुए देखा गया. कार की नंबर प्लेट स्पष्ट नहीं थी, इस वजह से आरोपी की पहचान नहीं हो सकी.

माहिम पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 270 और धारा 223 के तहत मामला दर्ज किया है. यह देश का पहला ऐसा मामला है, जिसमें कबूतरों को दाना डालने पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की. पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश के बाद की गई है, जिसमें कहा गया था कि सार्वजनिक स्थलों और विरासत स्थलों पर कबूतरों को दाना डालने पर सख्त कार्रवाई की जाए और जरूरत पड़ने पर एफआईआर दर्ज की जाए और उन्हें दंडित किया जाए.

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा था कि प्रशासन की स्पष्ट रोक के बावजूद भी लोग अब भी कबूतरखानों में कबूतरों को दाना डालते दिखाई दे रहे हैं. ऐसे लोगों पर कार्रवाई जरूरी है. बीएमसी और पुलिस ने मिलकर दादर कबूतरखाना का निरीक्षण किया और तय किया कि निगरानी के लिए तीन शिफ्टों में अधिकारी तैनात किए जाएंगे. मुंबई में मौजूद 51 कबूतरखानों की पहचान की गई है और अब इन पर निगरानी रखी जाएगी.

स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहा कबूतरों को दाना डालना: हाईकोर्ट

बम्बई हाईकोर्ट ने 30 जुलाई को कहा था कि कबूतरों के झुंड को दाना डालना सार्वजनिक परेशानी उत्पन्न करने वाला कृत्य है और इससे लोगों के स्वास्थ्य को भी खतरा है. अदालत ने साथ ही मुंबई नगर निगम को ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया था.

IIT बॉम्बे में पढ़ाई कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

मुंबई. आईआईटी बॉम्बे में पढ़ाई कर रहे 26 वर्षीय एक छात्र ने शुक्रवार देर रात छात्रावास की बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली है. पीड़ित, दिल्ली निवासी रोहित सिन्हा, संस्थान में मेटा साइंस के चौथे वर्ष का छात्र था. मुंबई पुलिस के अनुसार, ₹छात्र ने हॉस्टल की बिल्डिंग की छत से छलांग लगा दी. उसे तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.₹ पुलिस ने आगे बताया, ₹जब रोहित ने छलांग लगाई, तब हॉस्टल में रहने वाला एक अन्य छात्र छत पर कॉल कर रहा था. पुलिस स्टेशन में आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है. पुलिस फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है.

3.39 करोड़ की चरस के साथ अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार

ठाणे. ठाणे शहर की अपराध शाखा की एंटी नारकोटिक्स स्क्वॉड ने अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी में संलिप्त एक आरोपी को धर दबोचते हुए उसके कब्जे से 3 किलो 390 ग्राम चरस जब्त की है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 3.39 करोड़ रुपये बताई गई है। माननीय पुलिस आयुक्त, ठाणे द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए शुरू किए गए विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) डॉ. पंजाबराव उगले और पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव के मार्गदर्शन तथा प्रशासन के षष्ठम पुलिस आयुक्त विनय घोरपड़े के सुझाव पर वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल मस्के के नेतृत्व में यह ऑपरेशन अंजाम दिया गया।

टिकट परीक्षक के कार्यालय में बिना टिकट यात्री ने की तोड़फोड़

मुंबई. लोकल ट्रेन से उतरे चार यात्रियों में से एक बिना टिकट पकड़ा गया, जिसके बाद यात्री ने हंगामा कर दिया और टिकट परीक्षक के कार्यालय में तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं यात्री ने रेलवे कर्मचारियों पर भी हमला कर दिया। यह घटना शनिवार दोपहर मुंबई के बोरीवली रेलवे स्टेशन पर हुई, जिसका एक वीडियो वायरल हुआ है। दरअसल, ये चार यात्री दादर से विरार जा रही लोकल ट्रेन में सफर कर रहे थे।

तीन लोगों के पास सेकंड क्लास का टिकट था, लेकिन वे फर्स्ट क्लास डिब्बे में बैठे थे। एक यात्री के पास कोई टिकट नहीं था। इसलिए उन्हें ट्रेन से उतरने के लिए कहा गया। जब उन्हें टिकट परीक्षक (टीटीई) के ऑफिस में ले जाया गया, तब एक यात्री गुस्से में चिल्लाने लगा और कंप्यूटर का की बोर्ड, मॉनिटर वगैरह तोड़ने लगा।

वीडियो में दिख रहा है कि रेलवे कर्मचारी उसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उस यात्री ने एक टिकट परीक्षक पर हमला भी किया और वहां वीडियो बना रहे लोगों को धमकाया। एक महिला सह-यात्री बहुत डर गई और रोने लगी। इस झगड़े में रेलवे कर्मचारी और कुछ यात्री घायल हो गए। उन्हें इलाज दिया गया और बाद में उस गुस्सैल यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया गया।

फोर्टिस अस्पताल में सफल हृदय प्रत्यारोपण के बाद 13 वर्षीय को नई ज़िंदगी मिली

मुंबई. महाराष्ट्र के जालना की तेरह वर्षीय खानसा रहीम सैयद को मुलुंड स्थित फोर्टिस अस्पताल में सफल हृदय प्रत्यारोपण के बाद नई ज़िंदगी मिली। यह जीवन रक्षक सर्जरी तब संभव हुई जब एक 25 वर्षीय ब्रेन-डेड मरीज़ के परिवार ने उदारतापूर्वक उसके अंगदान की सहमति दी—जो महाराष्ट्र में इस साल का 85वाँ अंगदान था। खानसा डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी से जूझ रही थीं, जो एक गंभीर स्थिति है जिसमें हृदय बड़ा और कमज़ोर हो जाता है, जिससे उसकी रक्त पंप करने की क्षमता कम हो जाती है। जनवरी 2025 में इसका निदान होने के बाद, खानसा को महीनों तक थकान, सांस फूलना, भूख न लगना और बार-बार अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

भिवंडी के 7 कांग्रेसी नेताओं को प्रदेश कांग्रेस कमेटी में मिली अहम जिम्मेदारी

- कांग्रेस कार्यकर्ताओं में फैली खुशी

भिवंडी. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा महाराष्ट्र कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल की संस्तुति पर भिवंडी के 7 कांग्रेसी अनुभवशील नेताओं को प्रदेश कार्यकारिणी में अहम जिम्मेदारी देकर पार्टी संगठन को मजबूत किए जाने के निर्देश दिए हैं.भिवंडी से पूर्व सांसद सुरेश टावरे एवं रानी अग्रवाल को प्रदेश कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनाया गया है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता, मनपा शिक्षण मंडल पूर्व सभापति प्रदीप (पप्पू) राका, पूर्व उप महापौर डा.नूरुद्दीन अंसारी, मो.आबिद मुंसफ खान को प्रदेश कांग्रेस जनरल सेक्रेट्री और रमाकांत भोई, छगन पाटिल को प्रदेश सचिव पद की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है.प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनन्दन भिवंडी जिलाध्यक्ष एड रशीद ताहिर मोमिन द्वारा कांग्रेस कार्यालय में किया गया.जकात नाका भिवंडी शहर कांग्रेस कार्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास महामंडल पूर्व अध्यक्ष मो.तारिक फारूकी,के एम सोहेल खान, जावेद फारूकी, अरसी आजमी, रुखसाना कुरैशी,अहमद भाई आदि कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद थे. नवनियुक्त प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों ने आगामी मनपा चुनाव के मद्देनजर पार्टी की मजबूती हेतु काम किए जाने का संकल्प व्यक्त किया है.

डॉ. नूरुद्दीन अंसारी प्रदेश कांग्रेस जनरल सेक्रेटरी नियुक्त

- प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल ने किया अभिनंदन

भिवंडी. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल की संस्तुति पर भिवंडी मनपा पूर्व उप महापौर डा.नूरुद्दीन निजामुद्दीन अंसारी को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस का जनरल सेक्रेट्री नियुक्त कर पार्टी को मजबूत करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी है.भिवंडी शहर के प्रसिद्ध सिराज मेमोरियल अस्पताल के सर्वेसर्वा, तेजतर्रार शख्सियत डा.नूरुद्दीन अंसारी के कांग्रेस प्रदेश जनरल सेक्रेट्री नामित होने पर शुभचिंतकों,पार्टी पदाधिकारियों ने नए राजनीतिक पारी के लिए बधाई, शुभकामनाएं दी हैं.डा.नूरुद्दीन अंसारी का अभिनन्दन प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल सहित भिवंडी शहर जिलाध्यक्ष एड रशीद ताहिर सहित तमाम कांग्रेसी पदाधिकारियों, शुभचिंतकों द्वारा पुष्पगुच्छ देकर किया.नवनियुक्त जनरल सेक्रेट्री डा.नूरुद्दीन अंसारी ने अपनी नियुक्ति पर हर्ष प्रकट करते हुए कांग्रेस पार्टी आलाकमान सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे,सांसद राहुल गांधी,सांसद प्रियंका गांधी,अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी जनरल सेक्रेट्री सांसद के सी वेणुगोपाल,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल,पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान सहित तमाम शीर्ष कांग्रेसी नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है. जनरल सेक्रेट्री डा.नूरुद्दीन अंसारी ने कहा कि,हमने हमेशा लोगों के बीच पार्टी का काम किया है. कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा कांग्रेस पार्टी संगठन में दिए गए महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पण से करूंगा.

आईजीएम अस्पताल में रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन

- 780 लोगों का हुआ रक्त परीक्षण

भिवंडी. स्वर्गीय इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में 22 से 28 जुलाई तक पीलिया के निदान और नियंत्रण हेतु हेपेटाइटिस बीऔरसी की जाँच की गई.हेपेटाइटिस बी और सी एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है. संक्रमित व्यक्ति का रक्त सुइयों के माध्यम से, संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक संपर्क के माध्यम से, और संक्रमित माँ से उसके बच्चे में फैलता है. नागरिकों को इस संबंध में सावधानी बरतने की आवश्यकता है.

अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ.माधवी पंदारे ने ज़ोर देकर कहा कि हेपेटाइटिस बी और सी पीलिया से बचने के लिए नागरिकों को असुरक्षित शारीरिक संपर्क और अनुचित टैटू बनाने के तरीकों से बचना चाहिए.

डॉ. माधवी पंडारे ने प्रत्येक गर्भवती मां से अपने बच्चे को संक्रमण से बचाने के लिए हेपेटाइटिस बी और सी की जांच कराने की भी अपील की. इस अवसर पर अस्पताल में नागरिकों के लिए हेपेटाइटिस बी और सी रक्त परीक्षण कार्यक्रम लागू किया गया, जिसमें गर्भवती माताओं और एआरटी रोगियों के साथ-साथ अन्य सभी 780 नागरिकों के रक्त की जांच कर पीलिया की जांच की गई. परीक्षण के दौरान, 7 रोगियों को हेपेटाइटिस बी और 3 रोगियों को हेपेटाइटिस सी प्रकार का पीलिया पाया गया. अस्पताल के प्रयोगशाला विभाग की ओर से रोगियों को हेपेटाइटिस बी और सी पीलिया होने से रोकने के लिए रोगियों को परामर्श देकर और रोगियों के रक्त का परीक्षण करके इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की.

खुंटवली में 3 गरीबों को नया घर बनाकर दिया जाएगा

- अरविंद वालेकर द्वारा कई विकास कामों का भूमिपूजन

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ शिवसेना की ओर से शहर प्रमुख अरविंद वालेकर ने तीन गरीबों के टूटे घरों का नया निर्माण करके देने का निश्चय करने के बाद रविवार को इन तीन घरों का भूमिपूजन करके कार्य की शुरूआत की गई. साथ ही विविध विकास कामों का भूमिपूजन भी हुआ. खामकरवाड़ी खुंटवली में मंडप कारखाने के पास निराधार वृद्ध दम्पति के घर में छत से पानी टपकता था. घर गिरने के करीब था. उस घर का भूमिपूजन पूर्व उपनगराध्यक्ष राजेश वालेकर के हाथों हुआ. उस समय परिसर की सैकड़ों महिलाएं, पुरुष उपस्थित थे. दीपक नगर, अन्ना पाटिल नगर में मठ मंदिर परिसर में निराधार वृद्धों को मानवता का घर बनाकर देने के लिए भूमिपूजन करके काम की शुरूआत की गई. उस समय नगराध्यक्षा मनिषा वालेकर, पूर्व नगरसेवक निखिल वालेकर उपस्थित थे. यादव क्लीनिक से खान के घर तक एवं पाटिल कालोनी से पीसीसी का काम करने का भूमिपूजन हुा. बाद में मठ मंदिर में एक कार्यक्रम का आयोजन करके उपस्थित सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए राजेंद्र वालेकर ने कहा कि इससे पूर्व भी उन्होंने कई गरीबों के पुराने घरों को ध्वस्त करके उन्हें नए घर का निर्माण करके दिया है. परिसर के लोगों ने विविध विकास कामों के किए जाने पर एवं गरीबों को घर बनाकर दिए जाने पर विलेकर का आभार व्यक्त किया है.

रेखा की 'क्लियोपेट्रा' फोटो पर प्रियंका चोपड़ा का प्यार

- कैप्शन ने खींचा यूजर्स का ध्यान
- बोले- क्या ये बच्चन लिखा है?

प्रियंका चोपड़ा अक्सर दिग्गज एक्ट्रेस रेखा के लिए अपना प्यार जाहिर करते रहती हैं। वो खुद को रेखा की फैन बताती हैं। हाल ही में प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में रेखा को ट्रिब्यूट देते हुए एक फोटो शेयर की। अब इस फोटो और उस पर लिखे कैप्शन दोनों की खूब चर्चा हो रही है।

दरअसल, क्राउन द ब्राउन नाम की इंस्टा पेज पर रेखा की 'क्लियोपेट्रा' इंस्पायर्ड फोटो शेयर की गई है। उस फोटो पर कैप्शन में 'बेटर अ बिच देन अ बेचारी' लिखा गया है। ये रेखा की एक एनिमेटेड फोटो है, जिसमें वो गोल्डन कलर के हेडगियर में नजर आ रही हैं।

प्रियंका ने इसी फोटो को अपने इंस्टा स्टोरी में ऐश्वर्या राय की फिल्म 'ताल' का टाइटल ट्रैक के साथ शेयर किया है।

कैप्शन को लोगों ने बच्चन समझ पढ़ा

प्रियंका की स्टोरी का कैप्शन देखकर फैंस को एक पल के लिए कंफ्यूज हो गए हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखे टेक्सट को बच्चन पढ़ लिया। ऐसे में कई यूजर्स कह रहे हैं कि इसे जानबूझकर ऐसा डिजाइन किया गया है ताकि वो बच्चन लगे। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, 'मैंने इसे बच्चन क्यों पढ़ा?' वहीं एक अन्य ने लिखा, 'पहले पढ़ते ही लगा कि बच्चन लिखा है।'

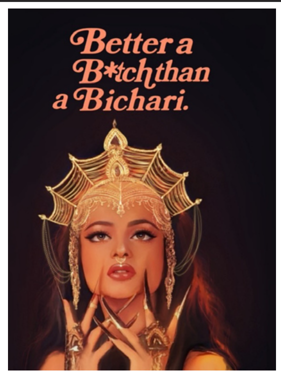

प्रियंका की वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस लंबे समय से बॉलीवुड से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार साल 2019 में रिलीज हुई फिल्म 'स्काई इज पिंक' में देखा गया था। इस गैप के दौरान वो हॉलीवुड प्रोजेक्ट में ज्यादा नजर आई हैं। हाल ही में उनकी हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टैट' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसमें वो दमदार एक्शन करते नजर आएंगी। वहीं, अगर उनके बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वो डायरेक्टर एसएस राजमौली की अगली फिल्म में महेश बाबू के साथ दिखेंगी।

सुंदरकांड भजन कीर्तन सुनकर भक्त भावविभोर

ठाणे. श्री दुर्गा माता सेवा संस्था (रजि.) द्वारा संचालित श्री दुर्गा माता 02/08/2025 को सायं 8 बजे से सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोन किया गया सुंदर कांड व भजन गायक लकी मिश्रा,नागेंद्र शर्मा, संजू सिंह,बजरंगी,रवि पाण्डेय, संतोष पाण्डेय,राकेश पाण्डेय, अभय कुमार सिंह,लकी मिश्रा के साथ कोरस देने वाले नागेंद्र शर्मा, संजय तिवारी, ढोल वादक शिवकुमार सिंह ,मनोज मिश्रा , राकेश पाण्डेय,जगदीश तिवारी , संजू सिंह और लकी मिश्रा ने पचरा के माध्यम से श्री दुर्गा माता मंदिर प्रांगण में आए हुए सभी भक्तों को अपने सुरों के माध्यम से भाव विभोर कर दिए वहीं सभी भक्तों ने ताली बजाकर साथ दिया सभी भक्त झूम उठे कार्यक्रम को सफल बनाने में सरला वर्मा, ऊषा यादव, सुमित्रा विट्टी वर्मा, उमा तिवारी, सुनीता दुबे, राजनरायन दुबे, योगेश यादव, विजय गुप्ता, मंगला तिवारी, अजित पाण्डेय, घनश्याम यादव, सुशील पंडा, आदित्य तिवारी, रवि पांडेय, दिनेश चौरसिया, अजय त्रिपाठी, रविन्द्र तिवारी तथा मंदिर से जुड़े महिला भक्तों के सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099